स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

जून 2012

वर्ष-6 अंक-6 (पूर्णांक 281)

संपादन एवं संचालन

एकलव्य

ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,

शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016

फोनः 0755 - 2550976 0755 - 2671017

ई-मेलःsrote@eklavya.in, srotefeatures@gmail.com

www.eklavya.in

संपादक
सुशील जोशी

सहायक संपादक
अफसाना पठान
अम्बरीष सोनी

उत्पादन सहयोग
इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर
राकेश खत्री कमलेश यादव

सूरज पे लगे धब्बा, कुदरत के करिश्मे हैं		2
10 लाख साल पहले पकाने की शुरुआत!		4
धन कमाने में बिक गई नींद हमारी	डॉ. महेश परिमल	5
स्टेम कोशिका और चर्च		6
कीटाणु से संपर्क और एलर्जी		7
कयामत से पहले जागना होगा	के. जयलक्ष्मी	8
इन्सानों पर परीक्षण से जुड़े ऐतिहासिक सबक	पी. बालाराम	10
चीनी सहायता प्राप्त बांध को म्यांमार सरकार ने रोका	भारत डोगरा	14
लेज़र की मदद से कागज़ का पुनः उपयोग		14
सिर्फ प्लास्टिक पाउच पर रोक से बात नहीं बनेगी	पारुल भार्गव	15
शून्य की अनंत महत्ता	विश्व मोहन तिवारी	17
विज्ञान के सितारे और शेरपा	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	21
विवादास्पद फ्लू अध्ययन को प्रकाशन की अनुमति		22
फूड प्रोसेसिंग और कुपोषण	भारत डोगरा	23
पेड़-पौधों में लिव-इन रिलेशनशिप	डॉ. ओ. पी. जोशी	25
वनों से आती खुशहाली	नवनीत कुमार गुप्ता	26
चालीस के दशक के पीड़ितों के साथ अन्याय		27
क्या प्रजातंत्र अन्य प्राणियों में भी होता है?	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	28
बहुत उपयोगी हैं सूचक पौधे	डॉ. दिनेश मणि	30
कार्बन डाईऑक्साइड से निजात पाने का उद्योग		31
सृष्टि के रहस्यों का झरोखा हिमकण	नरेन्द्र देवांगन	32
अमरीकी सैनिक ने बदतमीज़ी क्यों की?		34
पुरुषों में गंजेपन का सुराग मिला		34
प्रकाश से तेज़ गति की गुत्थी सुलझी		35
चंद्रमा की उत्पत्ति पर नया प्रकाश		36
कृत्रिम आंत का मॉडल बना		37

वार्षिक चंदा

व्यक्तिगत 150 रुपए

संस्थागत 300 रुपए

एक प्रति 15 रुपए

चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है। यहां प्रकाशित सामग्री का उपयोग गैर व्यावसायिक कार्यों के लिए करने हेतु किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। स्रोत का उल्लेख अवश्य करें।